जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(जन–सम्पर्क अनुभाग)

(प्रेस विज्ञप्ति)

बिजली की बकाया राशि वसूली में तेजी लाने के निर्देश

जयपुर डिस्कॉम सीएमडी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की सर्किलवार समीक्षा

जयपुर, 08 जनवरी। जयपुर विद्युत वितरण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री भास्कर ए. सावंत ने डिस्कॉम के सभी सर्किल के अधिकारियों को बिजली की बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। जिससे वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक शत–प्रतिशत राजस्व वसूली के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। 50 हजार से अधिक बकाया राशि वाले उपभोक्ता 25 जनवरी तक बकाया राशि जमा नही कराते हैं तो उनके कनेक्शन काट दिए जाए।

श्री भास्कर ए. सावंत ने शुक्रवार 8 जनवरी को वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से सर्किलवार बिजली की बकाया वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि मार्च, 2016 तक बकाया राशि वसूली के लक्ष्यों को पूरा नही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा।

सर्किलवार गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष के माह नवम्बर तक बकाया वसूली की प्रगति पर चिंता प्रगट करते हुए श्री सावंत ने कहा कि 50 हजार से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शनों को तुरन्त काटने की कार्यवाही की जाए तथा कनेक्शन काटने के बाद फील्ड में जाकर यह भी सुनिश्चित किया जाए की कटे हुए कनेक्शन के उपभोक्ताओं द्वारा इसका दुरुपयोग तो नही किया जा रहा है, केवल कागजों में ही कनेक्शन काटने की कार्यवाही नही हो।

उन्होंने डिस्कॉम के तीन सर्किलों में बकाया राशि को वसूलने में हुई अच्छी प्रगति की प्रशंसा करते हुए बताया कि बूंदी में गत वित्तीय वर्ष की तुलना में वसूली में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है एवं लॉस भी कम हुए हैं। इसके साथ ही टोंक वृत में 7 प्रतिशत एवं बारां में वसूली में 11 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। इसके अतिरिक्त डिस्कॉम के 14 सब–डिवीजनों ने बकाया राशि की वसूली में अच्छा कार्य किया है।

श्री सावंत ने वसूली के लक्ष्यों में पिछड़ने वाले सर्किल अधीक्षण अभियन्ता एवं लेखाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आपके पास तीन महिने का समय है या तो स्थिति में सुधार लावें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए तैयार रहें। विशेषतौर पर अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, दौसा एवं कोटा के अधीक्षण अभियन्ताओं को कहा कि आपको वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्होने कहा कि जयपुर जिला वृत बड़ा सर्किल होने के बावजूद भी अच्छा कार्य कर सकता है तो अलवर व अन्य सर्किल क्यों नही कर सकते है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य लेखाधिकारी– कन्ट्रोल को निर्देश दिए कि वे भी निगम स्तर पर इस कार्य की सतत मानिटरिंग करें एवं सर्किल के लेखाधिकारियों से नियमित रुप से बकाया वसूली की सूचना प्राप्त कर उसमें आ रही दिक्कतों दूर करने का प्रयास करें।

आज आयोजित वीडियों कान्फ्रेसिंग में निदेशक (तकनिकी), निदेशक (वित्त), मुख्य लेखाधिकारी (कन्ट्रोल), ओएसडी –एटीआर, मुख्य अभियन्ता– जयपुर जोन, अधीक्षण अभियन्ता–एमआईएस सहित विभिन्न जिलों में स्थित जन सेवा केन्द्रों पर निगम के अधीक्षण अभियन्ता एवं वृत लेखाधिकारी उपस्थित रहे।

———

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 348/2016